कक्षा 11वीं की पाठ्य पुस्तक लागू करने विषयक विषयक शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यशाला

कार्यशाला–प्रारूप

प्रथम चरण – दिनाँक 24–25 मई, 26–27 मई, 31मई–01जून 2017 (उपलब्धि – 1327)

द्वितीय चरण – दिनाँक 21–22 जुलाई 2017 (उपलब्धि – 189)

लक्ष्य – 1541 (कुल उपलब्धि – 1516)

जीव विज्ञान शिक्षक उन्मुखीकरण (कक्षा 11वीं, एन.सी.ई.आर.टी पुस्तक संदर्भित)

प्रथम चरण

प्रतिवेदन (दिनांक 24 एवं 25 मई 2017)

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा एन.सी.ई.आर.टी आधारित कक्षा 11वीं की पाठ्य पुस्तक लागू करने विषयक शिक्षक उन्मुखीकरण दो दिवसीय कार्य शाला का सफल आयोजन व्हिसलिंग वुड रायपुर में किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र का शुभारंभ प्रशिक्षण कोऑर्डिनेटर डॉ. विद्यावली के उद्बोधन द्वारा किया गया। इन्होने प्रशिक्षण की विस्तृत रूपरेखा, उदेश्य एवं शिक्षक उन्मुखीकरण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इन्होनें शिक्षको को स्पष्ट किया कि राज्य सी.बी.एस.ई बोर्ड नहीं पाठ्यक्रम आधारित पुस्तकें लागू की जा रही हैं। इस कार्यशाला में विषय संबंधी pedagogy और विषय वस्तु के concept पर चर्चा की गई। इसके लिए सी.बी.एस.ई स्कुलों के प्रशिक्षित अनुभवी रिसोर्स पर्सन के माध्यम से पाठ्यपुस्तक के महत्वपूर्ण अध्यायों को अध्यायन प्रस्तुत किया गया। इसके अंतगर्त दिल्ली पब्लिक स्कुल से श्रीमती सौम्या रघुवीर अय्यर, साइंस कॉलेज से डॉ. रेखा पिंपलागांवकर एवं संध्या साहू, प्रो.सोनार वनस्पति शास्त्र ज्ञाता, को आंमत्रित किया गया।

जीवविज्ञान विषय कोऑर्डिनेटर सुत्री अनीता श्रीवास्तव द्वारा विषय के बेसिक सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक ज्ञान का संप्रेषण गतिविधिया के माध्यम से शिक्षण की महती आवश्यकता से अवगत कराया। उन्हाने बताया SCERT की पुस्तके राष्ट्रीय पाठ्यक्रम 2005 के अनुरूप विकसित की गई। साथ ही इनके विषय वस्तु में स्थानीय ज्ञान और जानकारी का समावेश किया गया है। CG बोर्ड की कक्षा पहली से 10वीं तक की पुस्तकें भी NCERT के समकक्ष हैं और इसलिए कक्षा 11वीं की जीवविज्ञान भी NCERT हिंदी माध्यम में लागु की जा रही हैं। जिससे राज्य के हिंदी माध्यम के छात्रो को कठिनाई उत्पन्न न हो।